डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 76 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 25 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

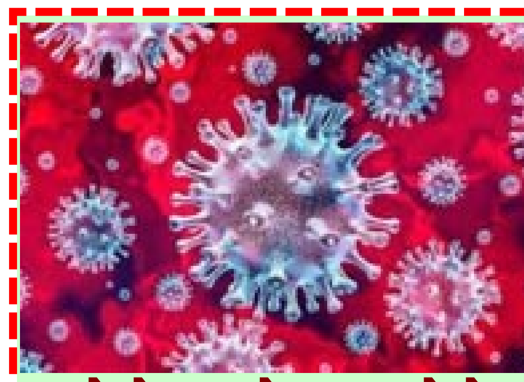

कोरोना को पछाड़ने के लिए तैयार स्वास्थ्य विभाग

आज से कोविड की जांच भी हो जाएगी शुरु, पांच घंटे में मिल जाएगी रिपोर्ट

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कोरोना ने प्रदेश में फिर से दस्तक दी है। हालांकि, मंदसौर की बात करें तो कोरोना को पछाड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग फिर से तैयार है। एक करोड़ रुपए की लागत से बनी आरटीपीसीआर लैब में जांच संभवत: आज से शुरु हो जाएगी। सैंपल के बाद लैब से 5 घंटे के अंदर रिपोर्ट मिल जाएगी। इसके लिए शासन स्तर से लैब के लिए वीटीएम किट सहित लैब रिएजेंट (अभिकर्मक) खरीदी के लिए बजट भी प्राप्त हो गया है। स्थानीय स्तर पर दो लैब टेक्नीशियन व पेरीफेरी से भी तीन टेक्नीशियंस नियुक्त किए जाएंगे। इधर, बड़े अस्पताल में आईएलआई और एसएआरआई (गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण) वार्ड तैयार होकर स्वास्थ्य महकमा भी अलर्ट मोड़ पर है।

केंद्र से मिले हैं निर्देश...

कोरोना वायरस के नए वैरिएंट जेएन-1 के लिए केंद्र सरकार ने कोविड टेस्ट करने के निर्देश दिए है। बड़े अस्पताल परिसर में स्थित आरटीपीसीआर लैब में फिलहाल माइक्रो बायोलॉजिस्ट नियुक्त होकर डेंगू, चिकनगुनिया व स्क्रब टाइफस सहित अन्य वायरल की जांच की जा रही है। कोविड की जांच अब तक वीटीएम किट व रिएजेंट की वजह से शुरू ही नहीं हो पाई हैं। विभाग के अनुसार शासन से प्राप्त दो लाख रुपए से सामग्री खरीदी के लिए ऑर्डर किया जा चुका है जो कि सोमवार तक मिलना संभावित है। बता दें कि रिएजेंट एक केमिकल होता है जो वैरिएंट की जांच में मददगार साबित होता है। रिएजेंट की कमी मंदसौर से लेकर राजधानी तक है।

100 से अधिक जांच की मिलेगी सुविधा...

आरटीपीसीआर लैब शुरू होने से कैंसर, टीबी, हेपेटाइटिस, स्वाइन फ्लू, डीएनए सहित करीब 100 से अधिक वायरल जांच की सुविधा मिलेगी। हेपेटाइटिस बी व सी जांच के लिए जो सैंपल भोपाल भेजना पड़ रहे हैं, जहां से 10 दिन में रिपोर्ट प्राप्त होती है। शासन द्वारा निजी लैब को भी भुगतान करना पड़ता है, यही जांच आरटीपीसीआर लैब में डेढ़ से दो घंटे में ही की जा सकती है। वहीं, मरीजों के प्लेटलेट्स गिरने का कारण भी लैब के माध्यम से पता चल सकेगा। मलेरिया, टीबी जैसी बीमारियों की एक बार में 94 सैंपल की जांच एक साथ की जा सकेगी।

संदिग्ध केस दिखते ही करेंगे भर्ती...

प्रदेश में कोरोना के मामलों की दस्तक हो चुकी है। इसी बीच बड़े अस्पताल में इन दिनों सर्दी-जुकाम, खांसी सहित अन्य सीजनल वायरल के करीब एक हजार मामले रोज पहुंच रहे हैं। इस बीच विभाग आईएचआईपी पोर्टल के जरिये भी निगाह बनाए हुए है। इसके अलावा बड़े अस्पताल में आईएलआई और एसएआरआई (गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण) वार्ड में संदिग्ध मामले सामने आने पर भर्ती किए जाएंगे। फिलहाल एक भी मामला सामने नहीं आया है। हालांकि प्रबंधन ने नर्सिंग स्टाफ व ट्रेंड कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगा दी है।

इनका कहना...

ऑक्सीजन प्लांट, कंसंट्रेटर सहित अन्य उपकरणों को भी चालू करके देख लिया है। पर्याप्त इंतजाम हैं, परेशान होने जैसी कोई बात नहीं है। कोविड उपयुक्त व्यवहार का लोग पालन करें, मास्क लगाएं व भीड़ में जाने से बचें।

डॉ. डीके शर्मा, सिविल सर्जन बड़ा अस्पताल मंदसौर

11 माह, 575 हादसे, 182 मौत

इस साल भी सीतामऊ-मंदसौर मार्ग पर सबसे ज्यादा हुई दुर्घटनाएं

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सड़क हादसों को लेकर जागरुकता अभियान या सड़को की तकनीकी खामियां दूर करने की कोशिशें जरुर की गई। लेकिन, इसका कोई असर नहीं देखा गया। इस साल नवंबर तक की बात करें तो जिले में हुए 575 सड़क हादसों में 182 लोगों की जान गई। सड़क हादसों में मामूली कमी जरुर आई। लेकिन, मौतों की संख्या बढ़ी है। इधर यमराज रोड़ बन चुके मंदसौर-सीतामऊ रोड़ पर इस साल भी सबसे ज्यादा सड़क हादसे हुए है।

जिले में तीन ब्लैक स्पॉट...

जानकारों के मुताबिक सड़क पर जिस जगह बार-बार हादसे होते हैं, उन्हें ब्लैक स्पॉट कहा जाता है। किसी सड़क, हाइवे, एक्सप्रेस-वे पर अगर एक ही जगह 3 साल में पांच सड़क हादसे हो जाएं। इसके अलावा किसी जगह पर 3 साल में 10 मौत हो तो उसे ब्लैक स्पॉट घोषित कर दिया जाता है। जिले में 3 साल में ब्लैक स्पॉट 9 से घटकर 5 हो गए हैं। वर्तमान में मुल्तानपुरा फंटा, दलौदा प्रगति चौराहा, नयाखेड़ा के पास, नाका नंबर 10 और पिपलिया चौपाटी इसमें शामिल हैं।

अन्य स्थानों पर हुई दुर्घटनाएं चिंता का विषय...

दावा है कि नए साल में ब्लैक स्पॉट संख्या में और भी कमी होगी। लेकिन, ब्लैक स्पॉट पर हादसों की कमी के बीच जिले के अन्य स्थानों पर हादसों की संख्या ने चिंता बढ़ा दी है। सीतामऊ से भानपुरा के बीच अलग-अलग स्थानों पर हादसे होने से इनको ब्लैक स्पॉट की श्रेणी में शामिल नहीं किया जा रहा। जबकि, यहां हादसों की संख्या अधिक है।

32 किमी लंबाई, ढाई साल में 150 हादसे...

32 किमी लंबाई वाले मंदसौर-सीतामऊ मार्ग पर ढाई साल में 150 से अधिक हादसे हो चुके हैं जो कि अन्य मार्गो से अधिक है। यहां 51 से अधिक लोगों ने जान गंवाई है, कई मौतें मौके पर भी हुई। जानकारी के मुताबिक दो साल पूर्व लोक निर्माण विभाग, मप्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, यातायात थाना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की संयुक्त टीम ने मंदसौर-सीतामऊ-सुवासरा -शामगढ़- गरोठ-भानपुरा मार्ग पर दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए संयुक्त सर्वे किया था। टीम ने जनवरी 2021 से दिसंबर 2021 तक हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में स्थल देखा। रोड मार्किंग, कनेक्टिंग रोड पर स्पीड ब्रेकर, यातायात संकेतक, रेडियम साइन बोर्ड, दिशा सूचक साइन बोर्ड, सड़क के टर्न पर स्पष्ट दृश्यता के लिए झाड़ियों की कटाई आदि के लिए मंदसौर से गरोठ-भानपुरा तक जरूरी सुधारों की सूची बनाकर उन्हें दूर करने के निर्देश दिए थे। इनमें से अधिकांश कार्य पूरा करने का दावा जरूर किया जा रहा है। लेकिन, मंदसौर- सीतामऊ के बीच शोल्डर भरने का काम अब तक अधूरा है।

3 साल के आंकड़ों पर एक नजर

वर्ष	2021	2022	2023
दुर्घटना	626	606	575
घायल	622	633	516
मृतक	186	183	182

(जनवरी से लेकर नवंबर तक जानकारी)

सरकारी वेबसाइट्स का ऑपरेटिंग सिस्टम कमजोर

तीसरे दिन भी हैकर्स के कब्जे में नगरीय विकास और आवास विभाग की वेबसाइट

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगरीय विकास और आवास विभाग की बेवसाइट तीसरे दिन भी हैकर्स के कब्जे में है। इससे प्रदेश के 412 निकायो की प्रापर्टी टैक्स, मेरिज सर्टिफिकेट, वाटर कनेक्शन, बिल भुगतान तथा ट्रेड लाइसेंस सहित तमाम अन्य ऑनलाइन सेवाएं ठप हैं। रैंसमवेयर हैकर्स ने मेल भेजकर फिरौती के रूप में बिटकॉइन मांगी हैं। इंडियन इमरजेंसी रिस्पांस टीम के विशेषज्ञ तथा स्टेट साइबर पुलिस इस हमले से निपटने के लिए जुटे हुए हैं। विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने दावा किया है कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार डाटा सुरक्षित है। इसके पहले स्वच्छ भारत मिशन, बैंक ऑफ बड़ौदा की कस्टमर नेटवर्क साइट हैक हो चुकी थी।

कमजोर ऑपरेटिंग सिस्टम...

साइबर एक्सपर्ट के अनुसार अमूमन सरकारी बेवसाइट विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम इस्तेमाल करती हैं जो आसानी से हैक हो जाती है। साथ ही विभाग का पोर्टल 2012 के सर्वर वर्जन पर चल रहा था। जबकि, इसे लायनेक्स कमांड आधारित नेटवर्किंग सिस्टम इस्तेमाल करना चाहिए। मप्र सरकार ने इस बेवसाइट को 2010 में 20 करोड़ की लागत से एवीएम कंपनी से बनवाया था। जबकि, सिक्योरिटी की जिम्मेदारी नेटलिंक कंपनी को दी गयी थी।

इंडोनेशिया का समूह सक्रिय...

पुलिस सूत्रों के अनुसार इंडोनेशिया का एक बड़ा हैकर समूह सक्रिय है। लेकिन, यह पता नहीं चल पाया है कि हैकर्स पाकिस्तान, चीन, तजाकिस्तान या किसी अन्य देश के हैं। हैकर्स सरकारी वेबसाइट से नागरिकों के आधार, पैन नंबर सहित तमाम निजी जानकारियां हैक कर उनके बैंक अकाउंट तक पहुंच कर धोखाधड़ी को अंजाम देने का प्रयास करते हैं। व्यक्तिगत डाटा की यह डार्क वेब पर बोली भी लगाते हैं। इस संबंध में इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने इसी साल अप्रेल में एडवाइजरी भी जारी की थी।

इसलिए मिस यूज की आशंका...

हैकर्स ने जिस डेटा को उड़ाया है, उसमें रजिस्टर्ड ई-मेल, पता और पासवर्ड आदि के अलावा रजिस्टर्ड फोन नंबर, ट्रांसमिटेड ओटीपी इन्फार्मेर्शन, लॉगिन आईपी, व्यक्तिगत यूजर पासवर्ड और ब्राउजर फिंगरप्रिंट इन्फॉर्मेशन आदि शामिल हैं।

डाटा सुरक्षित...

21 दिसंबर को ई-नगर पालिका सॉफ्टवेयर पर साइबर अटैक हुआ। इसके बाद विभाग के सभी सर्वरों तथा अन्य नेटवर्क को ऐहतिहात के तौर पर बंद कर दिया गया। इंडियन इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सर्ट इन एजेंसी) तथा साइबर पुलिस व साइबर एक्सपर्ट मामले को सुलझाने में लगे हैं। गनीमत है डाटा सुरक्षित हैं। विभाग के पास भी बैकअप डाटा उपलब्ध है। इसे फिर से डाउनलोड किया जा सकता है। घबराने की जरूरत नहीं है।

नीरज मंडलोई
प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास

बीजेपी कार्यकर्ताओं को चमका रहा घोड़ीबाज भाजपा पार्षद

नपा अमले ने पहुंचकर सड़क को दोनो तरफ से डेढ़-डेढ़ फीट बढ़ाया

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के नयापुरा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 15 से पार्षद घोड़ीबाज मोह. शाहिद अब भाजपा के कार्यकर्ताओ को ही चमका रहा है। वार्ड में 8 फीट की सड़क को 2 फीट करने की तैयारी में लगे पार्षद ने नपा अमले को चमकाकर अपना हित साधना चाहा था। लेकिन, जागरुक लोगो और भाजपा कार्यकर्ताओ ने विरोध किया था। आमजन के अपने 'गुरु एक्सप्रेस' ने इस संबंध में खबर प्रकाशित की थी। जिस पर नगर पालिका ने कार्यवाही की है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरु एक्सप्रेस में खबर प्रकाशन के बाद नपा अमला मौके पर पहुंचा। जहां यह निर्णय किया गया कि सड़क बहुत सकरी हो जाएगी। इसलिए दोनो तरफ डेढ़-डेढ़ फीट सड़क की चौड़ाई पुनः बढ़ाई जाए। इधर घोड़ीबाज पार्षद ने भाजपा कार्यकर्ता और अंजुमन के कोषाध्यक्ष नासिर दड़वाल को धमकी दे डाली। चमकाते हुए कहा गया कि दो-तीन दिन में मेंरा घोड़ी का केस मामला निपट जाए, फिर देखता हूं। नपा अमला जब मौके पर पहुंचा तो उस समय भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, भाजपा पूर्व जिला महामंत्री अजयसिंह चौहान भी मौजूद थे।

आठ फीट का रोड़ कर दिया दो फीट

वाहन चैकिंग में हुआ संदेह, बाईक चोर गिरफ्तार

चोरी की गई एक मोटर साईकिल भी बरामद, जांच जारी

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली पुलिस पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध दो युवकों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाईकिल बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ वाहन चोरी का प्रकरण दर्ज किया है।

शहर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश पर शहर में वाहन चेकिंग की जा रही है। शनिवार रात शहर में की जा रही वाहन चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्ध दो युवकों को रोककर बाइक के रजिस्ट्रेशन कार्ड दिखाने को कहा तो दोनों घबरा गए। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर दोनों ने पुलिस को अपना नाम अभिषेक पिता श्यामलाल ... शेष पेज 4 पर

राजनीति और क्षेत्र के विकास को प्रभावित करती ये चुनाव के बाद की स्थिति

दर्द-ए-दिल
कुमार दशपुरी

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर और क्षेत्र में चुनावों के बाद जो स्थितियां उत्पन्न हुई है, उससे राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज है। प्रशासन के सामने बड़ी दुविधाएं खड़ी हो रही है, और होने वाली है। 'पार्टी नहीं उम्मीदवार जीता, पार्टी नहीं हारी उम्मीदवार हारा' तोते की तरह यह रटन दोनों दलों में चल रही है। विगत गौरव दिवस के कार्यक्रमों में विधायक विपिन जैन को आमंत्रित नहीं किया गया, जिसका खूब क्लेश हुआ। ये क्लेश चलते रहेंगे।

प्रशासनिक आयोजन तो ठीक सार्वजनिक व गैर प्रशासनिक आयोजनों के आयोजकों के सामने भी दुविधापूर्ण स्थिति है। बरसों से एक जैसी परिस्थितियां होने से कार्यक्रमों के आयोजक भी पसोपेश में रहने लगे हैं। 'उनको बुला लिया तो वो नाराज ना हो जाएं'। ये धर्म संकट क्षेत्र की राजनीति और विकास को भी प्रभावित कर सकते हैं। कर रहे हैं। आशंकाएं हैं, पाईप लाईन में चल रही योजनाओं में रोड़े ना आ जाए। सभी की निगाहें पशुपतिनाथ लोक और शिवना शुद्धिकरण प्रोजेक्ट पर लगी है।

पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया के कार्यकाल में इन दोनों प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली थी। और नव निर्वाचित विधायक विपिन जैन ने भी इन्हीं को फोकस किया हुआ है। अब स्थिति यह है कि इन कार्यों के पूरा होने के बाद चलेगी श्रेय लेने की राजनीति।

अभी तो शुरुवात है। आगे- आगे बहुत कुछ ऐसी ही स्थितियां निर्मित होगी। जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में तो शासन और विधायक एक ही दल भाजपा के हैं। लेकिन, मंदसौर में हालात ठीक उलट है। प्रदेश में अभी मंत्री मण्डल का विस्तार होना शेष है। देखना है आगे-आगे होता है क्या?

यशपाल की हार से भाजपा के शोधार्थी असमंजस में...

मंदसौर/उज्जैन, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र के विधानसभा चुनाव में एकमात्र सीट मंदसौर भाजपा हार चुकी है। इस संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा में से एकमात्र वह भी मंदसौर मुख्यालय की सीट भाजपा ने गवाई है। इसे विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही जीता हुआ माना जा रहा था, पर हार गए। भाजपा के रणनीतिकार जो शोध करने के बाद ही पहले अपना प्रत्याशी तय करती है, फिर जीत की व्यूहरचना बनाते हैं और सीटें जीतते भी हैं। ऐसी ही रणनीति मंदसौर सीट से भाजपा प्रत्याशी यशपाल सिसौदिया के लिए भी बनाई गई थी। वैसे भी सामान्य राजनीतिक दृश्य भी ऐसा नजर आ रहा था कि यशपाल सिसोदिया का जितना तय है, भले ही सौ मतों से जीते या 10 हजार मतों से! ऐसे सारे भाजपा के और सामान्य जानकारो के अनुमान को विपिन जैन की जीत ने फिर से शोध करने को मजबूर कर कर दिया है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपिन जैन मंदसौर विधानसभा चुनाव 2049 मतों से जीते हैं। बहुत अधिक अंतर नहीं है, लेकिन, सभी के अनुमान को धराशाई कर जीतना अब शोधार्थियो के गले नहीं उतर पा रहा है। स्वाभाविक है कि संगठन के शोधकर्ताओं को भी जवाब देना पड़ रहा है कि पहले जो शोध किया था, जिसमें भाजपा प्रत्याशी की जीत होना तय बताया था? वह गणित क्यों गड़बड़ाया। अब यह भी शोध करके बताएं, अन्यथा ऐसी शोध करने वाली टीम किस काम की। क्योंकि, जिन सीटों पर बराबर की टक्कर या कमजोर बताया था, उन पर एकदम उलट नतीजे आए हैं।

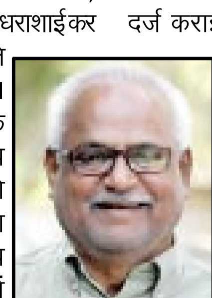
चन्द्रमोहन भगत

मनासा में भाजपा प्रत्याशी अनिरुद्ध माधव मारू की जीत को संदेह के घेरे में रखा जा रहा था। जीत के आंकड़ो ने स्पष्ट जीत का दर्जा दिलाया है। इसी तरह भानपुरा-गरोठ सीट को फंसा हुआ माना जा रहा था। किन्तु, नतीजे में भाजपा प्रत्याशी चंदरसिंह सिसोदिया ने जीत दर्ज कराई है। भाजपा के इन दोनों विधायकों से ज्यादा चर्चित और बड़ा नाम होकर जिले के मुख्यालय के प्रत्याशी थे यशपाल सिसोदिया। संगठन का मुख्यालय और सांगठनिक गतिविधियों का लगातार केंद्र बिंदु रहने के बाद लगातार तीन बार जीतने वाला सक्रिय प्रत्याशी कैसे हार गया! भाजपा के शोधार्थी जब जवाब देंगे, तब देंगे। लेकिन, वर्तमान में हाईकमान जो 2024 के लोकसभा चुनाव को टारगेट कर तैयारी कर रहा है। संसदीय क्षेत्र कि इस एकमात्र सीट की हार को गंभीरता से ले रहा है। इसलिए प्रत्याशी घोषित करने के पहले किस तरह और क्या जांचा गया था। इस हेतु सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। यह भी जांचा जा रहा है कि सारे प्रयास सिर्फ मंदसौर में ही क्यों असफल हुए!

भाजपा हाईकमान का विधानसभा चुनाव के पहले से ही टारगेट तय किया जा चुका है कि 2024 लोकसभा चुनाव में भी बहुमत लाकर सरकार बनाना है। फिर इसके लिए कुछ भी करना पड़ जाए। मार्च-अप्रैल से संगठन के भीतर से इसी दिशा में काम की जिम्मेदारियां तय कर दी थी। उद्देश्य था कि इसी दरमियान आने वाले राज्यों के विधानसभा चुनाव ससम्मान फतेह करना होंगे। हारे तो पूर्व मंत्रीगण भी है। पर, उनके ट्रैक रिकॉर्ड पहले से ही उन्हें माइनस कैटेगरी में बता रहे थे। इसलिए उनकी हार को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। हाईकमान सभी की हार के लिए शोधार्थियों को दोषी नहीं मान रहा है। बस उन्हीं सीटों को टारगेट कर सवाल किया जा रहा है, जिन पर जीतने की पूरी उम्मीदें थी कि जीतेंगे और बेहतर नतीजे आएंगे पर आए नहीं!

मंदसौर सीट चर्चा में इसलिए भी है कि विपिन जैन अगर समाज के मतों के कारण जीते हैं तो पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा बड़ा नाम होकर प्रदेश भर में प्रचलित नाम रहा था, वे भी यशपाल से हारे थे। बाकी कांग्रेस के जातीय पारंपरिक मत तो नाहटा को भी मिले होंगे जैसे विपिन जैन को मिले हैं। कमोबेश यही हालात महेंद्र गुर्जर के लिए भी बने थे। एक जैसी परीस्थिति और भाजपा के पक्ष में चला अंडर करंट सिर्फ मंदसौर सीट पर भाजपा प्रत्याशी के काम नहीं आया यही शोध का विषय बना हुआ है। खैर, प्रत्याशी रहे यशपाल सिंह ने भी संगठन में अपनी शिकायत दर्ज करा दी है। शोधार्थी क्या मुद्दे खोज पाएंगे, यह भविष्य का विषय है। लेकिन, हाई कमान के शोधार्थियो की अब लोकसभा सीट के चुनाव को लेकर जरा सी भी आकलन में गलती ना हो, इस संदेश के साथ पैनी नजर से जायजा ले रही है। नतीजा शत प्रतिशत पाने के उद्देश्य से एक सीट पर चोट खाया संगठन अब हर हालत में जीत दिलाने वाले प्रत्याशी पर दांव लगाएगा। फिर भले ही नया और अप्रत्याशित नाम सामने आए।

विचार-मंथन

महंगाई पर नियंत्रण बनी चुनौती...

भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के तमाम दावों के बावजूद महंगाई पर नियंत्रण चुनौती बनी हुई है। महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं और धरातल पर नतीजे नहीं दिख रहे। चावल, गेहूं आटा, दालें, प्याज, हल्दी, लहसुन, मिश्रित मसाले जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर 7.37 फीसद हो गई है। ग्रामीण श्रमिकों के लिए यह 7.13 फीसद रही। हालांकि, अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति थोड़ी कम थी ह्न कृषि श्रमिकों की 7.08 फीसद और ग्रामीण श्रमिकों की 6.92 फीसद। श्रम मंत्रालय के ताजा आंकड़ों से स्पष्ट है कि निम्न मध्यवर्ग और गरीबों की परेशानी बढ़ी है। वस्तुओं की खुदरा कीमतें इस स्तर पर पहुंचने के बाद एक बड़ी आबादी खाने-पीने में कटौती करने को मजबूर हो जाती है। ठंड की शुरुआत के बाद बाजार में कीमतों में कमी आती है, लेकिन ताजा आंकड़े इसके अनुकूल नहीं दिख रहे। मौजूदा स्थिति अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर डालेगी, क्योंकि जब खाने-पीने के सामान की कीमतें लोगों की पहुंच से दूर होने लगती हैं, तो इसका सीधा असर उनके बाकी खर्चों पर पड़ता है। आमतौर पर जब थोक बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो खुदरा बाजार में इसकी तुलना में काफी अधिक कीमतें बढ़ जाती हैं। इससे आम उपभोक्ता की जेब पर असर पड़ता है। लेकिन चावल, गेहूं आटा, दालें, प्याज, हल्दी, लहसुन, मिश्रित मसालों के मामले में हकीकत कुछ और है। इन वस्तुओं के आयात और निर्यात में असंतुलन बड़ा कारण है। मसलन, कई साल से दालों का उत्पादन जरूरत से ज्यादा हो रहा है, पर दूसरे देशों से करार के मुताबिक दालों का आयात किया जा रहा है। नतीजा यह कि किसान स्थानीय बाजारों में न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी कम दर पर दालें बेचने को विवश हो रहे हैं। दूसरी ओर, आयातित दालें थोक बाजार की मार्फत बिक रही हैं, जिनकी कीमत अधिक होती है। इसी तरह की स्थिति गेहूं, आटा, मसालों आदि के मामले में है। अफसोस कि महंगाई नियंत्रित करने के लिए तैयार किया गया समकालीन ढांचा महंगाई को केवल आपूर्ति पक्ष से जोड़कर देख रहा है। महंगाई के मामले में राहत के उपाय खोज रहे नीति नियंताओं को यह समझना होगा। खासकर उस स्थिति में, जब वे एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को महामारी से उपजी मंदी के बाद टिकाऊ तरीके से उबारने की पुरजोर कोशिश में जुटे हैं।इन हालात में उपभोक्ताओं के कंधों पर असंगत तरीके से महंगाई का बोझ पड़ना ठीक नहीं है। आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरंजन और व्यक्तिगत देखभाल सहित सेवा श्रेणी की कीमतों में भी क्रमिक वृद्धि देखी गई है, क्योंकि मांग में धीरे-धीरे सुधार हुआ है। सेवा प्रदाताओं के सामने संभलकर आगे बढ़ने की चुनौती है। ऐसे में कीमतों का गणित समझने से पहले नीति नियंताओं को खाद्यान्न उत्पादन, खपत और सरकारी खरीद का हिसाब-किताब समझना होगा। आम आदमी की जेब में बचत के कुछ न कुछ पैसे तो जरूर होने चाहिए। इससे आम आदमी निश्चिंत होकर अपने जीवन के अन्य पक्षों पर ध्यान दे सकेगा। अगर महंगाई के कारण कुछ नहीं बचा पाया तो फिर वह बाजार में खरीदारी करने कैसे जाएगा। बाजार टूटने का सीधा असर अर्थव्यवस्था पर होता है। इसलिए जरूरी है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए वस्तुओं के विपणन, भंडारण और आयात पर तर्कसंगत नजरिए से काम हो।

मोदी की आर्थिक नीतियों ने 'धनवानों' को और धनवान बना डाला !

-जूलियो रिबैरो

इस विनाशकारी घटना में शामिल अन्य 2 युवकों का योग्य होने के बावजूद बेरोजगार होने का समान इतिहास था। क्या वर्तमान में भारत के आर्थिक परिदृश्य में बेरोजगारी एक प्रमुख कारक है और क्या इसमें शामिल युवाओं को लगा कि उन्हें मतदाताओं द्वारा कानून बनाने के लिए सशक्त किए गए लोगों से पहले बेरोजगारों की दुर्दशा को उजागर करना होगा? क्या इस विनाशकारी पलायन का यही एकमात्र मकसद था? या फिर कोई और भयावह मकसद था? क्या इस पैरोडी के पीछे वर्तमान सरकार के विपक्ष की कोई पार्टी या संपूर्ण भारत का विपक्ष हो सकता है? यह भी याद रखें कि 'सिख्स फॉर जस्टिस' के खालिस्तान समर्थक और संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अमरीकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए खुलासों से यह जानने पर कि भारत सरकार या उसके किसी मान्यता प्राप्त गुर्गे की संलिप्तता थी, पलटवार करने की धमकी दी थी। कई अलग-अलग कारण हो सकते हैं कि हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र के लातूर तक देश के विभिन्न हिस्सों से इन 4 हताश युवाओं को मास्टर साजिशकर्ता द्वारा एक साथ लाया गया था। एक ललित झा, जो बेरोजगार था, कोलकाता से आया था। साजिश में शामिल पांचों युवक एक-दूसरे को 'भगत सिंह फैन पेज' नाम के फेसबुक ग्रुप के जरिए जानते थे। लोकसभा परिसर में गिरफ्तार चारों साजिशकर्ताओं के चार क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन भी मिले। उनका विश्लेषण किया जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा के स्पष्ट उल्लंघन के बारे में सदन में बयान देने से इंकार कर दिया है। विपक्ष ने उनसे ऐसे बयान की मांग की थी। इसके बाद सदन में बयान पर चर्चा होनी थी। हो सकता है कि शाह ललित झा से पूछताछ के नतीजे का इंतजार कर रहे हों, लेकिन उन्होंने अपने इंकार के लिए कोई बहाना नहीं बनाया है। दूसरी ओर, ऐसा बताया जा रहा है कि वह लोकसभा अध्यक्ष के इस रुख का आश्रय ले रहे हैं कि संसद परिसर में जो कुछ भी होता है, उस पर केवल वह (अध्यक्ष) ही अंतिम मध्यस्थ हैं और प्रशासन को उनके आदेश पर कार्य करना होता है। क्या संसद भवन और उसमें रहने वालों, सांसदों और अधिकारियों की सुरक्षा तत्कालीन सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? क्या 2001 के हमले के दौरान गृह मंत्री ने एक बयान नहीं दिया था और भाजपा, जो तब विपक्ष में थी, ने घटिया सुरक्षा व्यवस्था की निंदा नहीं की थी? यह पहली बार है कि नागरिकों को सूचित किया गया है कि संसद में सुरक्षा भी अध्यक्ष की जिम्मेदारी है! अधिकारी और पुलिस इस नई व्याख्या से अनभिज्ञ थे। चूंकि अध्यक्ष ने लोकसभा की सुरक्षा में खामियों को समझाने का कठिन काम किया है, इसलिए एक सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए कि सागर शर्मा और मनोरंजन के जूते में हानिरहित धुएं के डिब्बे कैसे छिपे हो सकते हैं? वीक दैट वाज' में दूसरी सनसनीखेज खबर यह थी कि निखिल गुप्ता नामक व्यक्ति को अमरीकी सरकार के कहने पर चैक गणराज्य की राजधानी प्राग में एक भारतीय सरकारी अधिकारी की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अमरीकी धरती पर रहने वाले भारतीय मूल के अमरीकी नागरिक ने हमारे सर्वोच्च न्यायालय में यह अनुरोध करने के लिए याचिका दायर की है कि उसे उस अपराध के लिए अमरीका में प्रत्यर्पित न किया जाए, जिसके बारे में उसका कहना है कि उसने अपराध नहीं किया है। क्या सर्वोच्च न्यायालय उसकी याचिका सुनने को सहमत होगा जब उसके अधिकार क्षेत्र का प्रश्न संदेह में है? इसके अलावा, चैक गणराज्य द्वारा खुद को भारतीय अदालत के अधिकार क्षेत्र में प्रस्तुत करने की तुलना में अमरीकी सरकार की मांग पर ध्यान देने की अधिक संभावना है। गुरपतवंत सिंह पन्नू की प्रवासी सिखों में गहरी पकड़ है। उन्होंने पंजाब में अपने घर पर सिखों के साथ ज्यादा विवाद नहीं किया था। लेकिन विनाश के लिए लक्षित किए जाने की इस कहानी से उन्हें बेरोजगार सिख युवाओं में से कुछ अनुयायी मिल सकते हैं, जिनकी संख्या दुर्भाग्य से तेजी से बढ़ रही है। नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों ने हमारी भूमि के 'धनवानों' को और धनवान बना दिया है।

संसद कांड : ऐसा व्यवहार अनुचित और दुर्भाग्यपूर्ण

संसद धुआं कांड पर दिख रही राजनीति किसी भी विवेकशील भारतीय की चिंता को बढ़ाने वाली है। सत्तारूढ़ गठबंधन या मुख्य पार्टी के विरुद्ध विरोधी दलों का विरोध सामान्य बात है किंतु ऐसे संवेदनशील मामले पर विपक्ष एवं सत्तारूढ़ दोनों को जिम्मेदारीपूर्वक अपनी भूमिका निर्वहन करने की आवश्यकता होती है। अगर विपक्ष के बड़े-बड़े नेता कहते हैं कि इन लोगों ने देश के हालात से सरकार को अवगत कराया है या बेरोजगारी के कारण इन्होंने ऐसा किया है तो आप न जाने कितने लोगों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मोक क्रैकर छुपा कर ले जा सकता है तो वह जहरीला तत्व भी ले जाएगा। यह सुरक्षा में चूक है जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और नए सिरे से व्यवस्था करनी है। हालांकि जो स्थिति पैदा की जा रही है उसमें सुरक्षा इतनी सख्त हो सकती है कि आम आदमी के लिए दर्शक बनकर भी संसद में प्रवेश करना कठिन हो। यह उचित नहीं होगा। बहरहाल, घटनाक्रम की आई जानकारी स्पष्ट बताती है कि इन लोगों ने लंबे समय से योजनाएं बनाई, इसके लिए यात्राएं की, दिल्ली सहित कई शहरों में गए। किसी बेरोजगार या बेरोजगारों के समूह के पास इतना धन नहीं हो सकता जितनी इनकी तैयारी में खर्च हुआ हो। आप हवाई जहाज तक से यात्रा कर रहे हैं, रेल के उच्च श्रेणी में सफर करते हैं, होटल में रुकते हैं और फिर भी आप बेरोजगार हैं। यानी आपको अपने खर्च के लिए धन उपलब्ध नहीं है। दूसरे, जितने समय में इन्होंने संसद में घुसपैठ कर धुआं छोड़ने और हंगामा मचाने की तैयारी की उतना परिश्रम करके छोटा-मोटा स्टार्टअप आरंभ कर सकते थे। कोई निष्पक्ष व्यक्ति नहीं मानेगा कि देश की चिंता करने वाले कुछ बेरोजगारों के समूह ने सरकार की आंख खोलने के लिए इतना बड़ा जोखिम लिया। वास्तव में उनकी विचारधारा और प्रेरक कारक यह हो ही नहीं सकता। संसद के अंदर डैस्क पर उछलकर स्मोक कनस्तर चलाते पकड़े गए लखनऊ के सागर शर्मा की सोच का एक उदाहरण देखिए। उसने 2 जून, 2021 को डायरी में लिखा है कि घर से विदा लेने का समय नजदीक आ गया है। एक तरफ डर है और दूसरी तरफ कुछ कर गुजरने की आग भी दहक रही है। काश मैं अपनी स्थिति माता-पिता को समझा सकता। इसके मायने क्या हैं? यह एक उदाहरण बता रहा है कि उनकी मस्तिष्क या सोच को किस तरह से परिणत किया गया है। आप देखेंगे कि दुनिया भर के ध्वंसात्मक संगठनों में हिंसा करने वाले इसी तरह की सोच लेकर आगे बढ़ते हैं। उनकी पूरी सोच, मानसिकता और व्यवहार इतनी बदल चुकी होती है कि सच और झूठ, संतुलन-असंतुलन, विवेक-अविवेक के बीच उनके लिए अंतर करना कठिन होता है। वीर भगत सिंह के नाम पर भगत सिंह फैन क्लब के नाम से फेसबुक पेज बनाकर उस पर जिस तरह की बातें की गईं।

नौकरी से जुड़ी जिम्मेदारियां बन जाती हैं जीवनचर्या

राकेश सोहम

जीवन ठहर जाने का नाम नहीं है। चलना ही जिंदगी है। जीवन में अनेक पड़ाव आते हैं और निकल जाते हैं। ठीक रेल यात्रा की तरह। स्टेशन आते जाते हैं। रेलगाड़ी रुकती है, फिर आगे बढ़ जाती है। यात्री रास्ते में आए स्टेशनों को छोड़ता हुआ मंजिल की ओर बढ़ता चला जाता है। एक जगह ठहर नहीं जाता। असल जीवन में अनेक लोग जीवन में आए पड़ाव पर ठहर जाते हैं। वे उस पड़ाव से निकल नहीं पाते। उस पड़ाव से उन्हें इतना जुड़ाव हो जाता है कि पड़ाव के छूटते ही असहज हो जाते हैं। बिछोह जकड़ लेता है। कई बार यह जुड़ाव उनके जीवन-मरण का मामला बन जाता है। जीविकोपार्जन के लिए नौकरी-पेशे में बिताया गया समय, जीवन की सबसे लंबी अवधि होती है। यह व्यक्ति का सबसे लंबा पड़ाव होता है। व्यक्ति उम्र का सर्वाधिक समय यहां व्यतीत करता है। स्वाभाविक है, इस पड़ाव से लगाव हो जाता है। नौकरी से जुड़ी जिम्मेदारियां दैनिक जीवनचर्या का हिस्सा बन जाती हैं। इस दौरान सुख-दुख और गृहस्थ जीवन के अनेक उतार-चढ़ाव व्यतीत होते हैं। और एक दिन यह पड़ाव भी छोड़ना पड़ता है। नौकरी से सेवानिवृत्त होना पड़ता है। जीवन का यह लंबा पड़ाव छूट जाता है। अगले पड़ाव की ओर बढ़ जाना होता है। मगर अनेक नौकरी-पेशा लोग इसे स्वीकार नहीं कर पाते। नौकरी की जिम्मेदारियों से मुक्त होकर वे असहाय महसूस करने लगते हैं। ऐसी मानसिक स्थिति के चलते अपने परिवार से कटे-कटे से रहते हैं। परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत नहीं कर पाते। अवसाद में चले जाते हैं और कुछेक असमय ही दुनिया को छोड़कर चल देते हैं। एक बड़ी संस्था ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत कर्मचारियों की छंटनी की। अनेक अधिकारी और कर्मचारियों ने वित्तीय लाभ लेते हुए सेवानिवृत्ति स्वीकार की। बाद में अनेक ऐसे लोग अवसाद में चले गए। उन्हें अफसोस था कि अभी वे आठ-दस साल और नौकरी कर सकते थे। पद और गरिमा छिन जाने से रोग ग्रस्त हो गए। एक समय था, जब आर्थिक संपन्नता नहीं थी। नौकरी-पेशा लोगों की आय कम हुआ करती थी। अपना घर बनाना और वाहन क्रय करना एक सपना था। तब लोग सेवानिवृत्ति के बाद अपने शहर, अपने गाव, अपने घरों को लौट जाते थे। आवागमन के साधन कम थे। संचार माध्यमों की कमी थी। जिनके घर उसी शहर में होते, वे कभी-कभी नौकरी स्थल पर चले जाते थे। खास सहकर्मी मित्रों से कभी-कभार मिल-जुल लेते थे। इसलिए नौकरी के पड़ाव से जल्दी बाहर आ जाते थे। शीघ्र अपने परिवार के साथ जीवनचर्या में रम जाया करते थे। पिछले कुछ वर्षों में तकनीकी विकास तेजी से हुआ है। इंटरनेट, मोबाइल और वाट्सएप जैसे साधन आने के बाद से दुनिया पूरी तरह बदल गई है। कार्यालयों की कार्यप्रणाली 'हाई टेक' हुई है। इंटरनेट और वाट्सएप चैट का बहुतायत से इस्तेमाल होने लगा है। कार्यालयों में इंटरनेट के माध्यम से भर्ती, पदोन्नति, स्थानांतरण की सूचनाएं मिलने लगी हैं। आदेशों के त्वरित निष्पादन और अनुपालन हेतु कार्यालयीन वाट्सएप समूहों का गठन भी चलन में आ गया है। इसके अलावा भी कार्यालयों में व्यक्तिगत वाट्सएप समूह बने रहते हैं। इन समूहों के माध्यम से अधिकारी और कर्मचारी आपस में जुड़े रहते हैं। वे अपने सुख-दुख के अलावा आपसी मनोरंजक बातें साझा करते हैं। नौकरी के दौरान जीवन का यह पड़ाव कार्यालयीन इंटरनेट वेबसाइट पर नजर बनाए, वाट्सएप समूहों पर विमर्श करते और कार्यालयीन जिम्मेदारियों का निर्वाहन करते, सहकर्मियों के बीच बीतता है। दिन, महीने, साल चुटकियों में गुजर जाते हैं। यह देखा गया है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी अनेक लोग अनधिकृत रूप से कार्यालयी वेबसाइट का 'आइडी-पासवर्ड' सेवारत सहकर्मी मित्रों से हासिल कर लेते हैं। कार्यालयी वाट्सएप समूह में भी जुड़े रहते और कार्यालय की वर्तमान गतिविधियों पर नजर गड़ाए रहते हैं। समय-समय पर जारी किए जाने वाले कार्यालयी आदेशों को पढ़ते हैं। किसकी पदोन्नति हुई, कौन सेवानिवृत्त हुआ या किसकी मृत्यु हुई आदि की खबर लेते रहते हैं। वहां की वर्तमान गतिविधियों को लेकर अवांछित दबाव में रहते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी नौकरी के पड़ाव पर जीते हैं। इस कोशिश में हताशा और निराशा हाथ आती है।

समाज को संवेदनशील बना रही पैरा एथलीट की सफलता

यह कहा जाता है कि आपका इरादा पक्का हो, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। इस बात को पिछले कुछ साल में भारतीय पैरा एथलीटों ने एकदम से सही साबित कर दिया है। ये पैरा एथलीट अपनी कड़ी मेहनत और जज्बे के दम पर सुर्खियां बटोरकर देश के तमाम दिव्यांगों के लिए प्रेरणा बन गए हैं। देश के पैरा एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए इस माह 'खेलो इंडिया पैरा गेम्स' का आयोजन किया गया। इन खेलों में खिलाड़ियों के उत्साह और प्रदर्शन को देखकर लग गया कि अब वे किसी से पीछे रहने वाले नहीं हैं। इन खेलों के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि खेलोगे, तो खिलोगे। यह बात खिलाड़ियों को खिलते देखकर सही लगी। इन खेलों में बिना हाथों वाली तीरंदाज शीतल देवी ने जैसा प्रदर्शन किया, उसकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के दूरदराज स्थित लोई धार गांव में जन्मी शीतल के पैदाइशी दोनों हाथ नहीं हैं। आमतौर पर घरों में ऐसे बच्चों को अभिशाप मान लिया जाता था, पर अब लगता है, लोगों की सोच में बदलाव आ रहा है। कटरा में माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने तीरंदाजी अकादमी खोली हुई है। सेना के एक अधिकारी ने करीब दो साल पहले इस अकादमी के कोच कुलदीप को शीतल के बारे में बताया था। उसके लिए पैरों और छाती से चलाए जा सकने वाले धनुष का निर्माण किया गया और यह प्रयास एक ऐसे खेल सितारे को गढ़ने में सफल हो गया, जो दुनिया भर में भारत का नाम रोशन कर रहा है। शीतल ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स में तो सफलता पाई ही है, अब उनका इरादा अगले साल पेरिस में होने वाले पैरालंपिक में पोडियम पर चढ़ना है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स में सफलता पाने वाले डिस्कस थ्रोअर योगेश कथूरिया हों, टेबल टेनिस स्टार भवीना पटेल, पारुल परमार या संदीप डांगी, सभी की कहानी रोमांच से भर देती है। सच तो यह है कि इन खिलाड़ियों ने अपनी दिव्यांगता को अभिशाप मानने के बजाय खिलाड़ी बनकर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा फहराने का बीड़ा उठाया, इसलिए उनकी जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। अब आप कल्पना करें कि किसी को आठ साल की उम्र में लकवा मार जाए और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बन जाए, यह क्या आसान है? पर योगेश ने ऐसा ही किया है। उन्होंने स्कूली दिनों से एथलीट बनने की ठान ली। स्कूली दिनों में समुचित प्रशिक्षण न मिल पाने पर दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में प्रवेश मिलने पर अभ्यास शुरू किया और फिर नेहरू स्टेडियम के कोच सत्यपाल सिंह के प्रशिक्षण ने उन्हें विश्व स्तर पर पहुंचा दिया है। हमारे यहां खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में शारीरिक दिव्यांगता का मजाक उड़ाया जाना आम बात है, लेकिन अब सोच का बदलना पूरे समाज के लिए बेहतरी की संकेत है। हांगझू पैरा एशियाई खेलों में बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतने वाले कृष्णा नागर भी समाज की कुरीति का शिकार बने थे। वह कद-विकार के शिकार हैं, जिसके कारण उनकी लंबाई चार फुट और पांच इंच रह गई है। आस-पास के जो लोग अक्सर उनका मनोबल तोड़ने का प्रयास करते थे, उन लोगों के लिए भी कृष्णा आज चहेते बन गए हैं। दुनिया में पैरालंपिक खेलों की शुरुआत तो काफी पहले हो गई थी, पर भारतीय दल सिर्फ भाग लेने जाता था और लोग ध्यान भी नहीं देते थे। पैरा गेम्स में सफलताएं पाने वाले प्रमोद भगत ने पैरा एशियन गेम्स में पदकों का सैकड़ा लगने पर कहा था, यह स्थिति सालों के अथक प्रयासों के बाद बनी है। रियो पैरालंपिक 2016 में देवेंद्र झाझरिया और मरियप्पन थंगावेलू की स्वर्णिम सफलताओं ने देशवासियों का ध्यान इस तरफ आकर्षित किया और इस दिशा में सही प्रगति होने लगी।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5095

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5094

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 5095

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस देश में स्थित [illegible] की विश्व की सबसे बड़ी खान है (2)
3. पक्षी विहार के लिए प्रसिद्ध यह स्थान राजस्थान में स्थित है (5)
7. वृक्ष का वह भाग जिसमें डालियां नहीं होती (2)
8. आलस्य, सुस्ती (2)
9. [illegible] का घर, कारण (2)
10. चंद्रमा का अपभ्रंश (2)
12. अद्भुत, अनोखा, विचित्र (3)
14. दुश्मनी, बैर, शत्रुता (4)
17. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
18. [illegible] पर स्थित एक द्वीप राष्ट्र है जिसकी राजधानी किंग्सटन है (3)
20. उतना भोजन जितना एक बार मुंह में डाला जाए, निवाला (2)
21. बदलवाना, बदले का काम दूसरे से कराना (4)
22. अभिप्राय, मतलब (4)
25. प्रस्थान होने की क्रिया, प्रयाण, गमन (4)
26. एक पेय पदार्थ जो देव और दानव दोनों को प्रिय था, चंद्रमा का एक नाम (2)

ऊपर से नीचे
1. [illegible] (2)
2. किशोर कुमार की अभिनेत्री पत्नी (8)
3. कल्याणकारी, सज्जन, छलहीन (2)
4. आमोद यात्रा करना, तल्लीन होना (3)
5. बुलावा, नसीम-चंद्रमोहन सोहराब मोदी की हिट फिल्म (3)
6. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
11. न्योता, निमंत्रण (3)
13. किसी के चित्त या मन का कष्ट पहुंचा हो (4)
15. यह गोविंदा अभिनीत पहली फिल्म थी (5)
16. [illegible], भौंरा (2)
19. काले रंग की प्रसिद्ध चिड़िया (2)
20. जाति, वर्ण, नस्ल, वंश, समाज (2)
23. एक में चौथाई और जोड़कर (2)
24. इटली का यह शहर सात पहाड़ियों का नगर कहलाता है, देह के बाल, रोआं (2)

वर्ग पहेली 5094 का हल

दु	ब	ई		अ	मे	रि	का
का	ल	का		ब	स	पा	न
न		रा	क्ष			ज	न
पा	द	प		उ	स्ता		ई
र	न		का	का		ले	गा
	स्प	श्री	क	सौं		न	
र	सि		ह		खु	दा	या
ब		प	ट	ना		र	म

जल जीवन मिशन में साल भर पहले दिए नल कनेक्शन...

टोटियां लगाना भूला ठेकेदार, आज तक नहीं लगाई

कुचड़ौद, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार ने हर घर में शुद्ध जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन योजना लागू की। जिसमें प्रत्येक घर में नल कनेक्शन से शुद्ध जल पहुंचाना है। पर कुचड़ोद गांव में जल जीवन मिशन अंतर्गत ठेकेदार ने पहले तो कार्य धीमी गति से किया। इसके बाद अधिकांश घरों में नल कनेक्शन दिए। नलिया निकाल कर इतिश्री कर ली। इसी पेयजल लाइन से सप्ताह भर में एक या दो बार पानी सप्लाई भी हो रहा। पर टोटियां नहीं लगाने के कारण पानी व्यर्थ बह रहा। नल जल योजना का पूरा कार्य पी एच आई विभाग के अंतर्गत, ठेकेदार के जिम्में है। वहीं ठेकेदार मजदूरों के भरोसे अधूरा कार्य करवा कर, टोटियां लगाना भूल गए। इस कारण परेशानी बनी हुई। नतीजा पानी सप्लाई के समय हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है।

ठेकेदार की लापरवाही एवं पी एच आई विभाग की उदासीनता के चलते साल भर बाद भी, नल के लिए लगाई गई नलियों के टोटिया नहीं लगाई। मामले में ठेकेदार अभय सिंह भदोरिया से बात करना चाहि पर मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा। ग्रामीण महेश गुजरिया, सुनील अजमेरा सहित ग्रामीणों ने बताया, ठेकेदार ने पहले तो कार्य काफी धीमी गति से किया। इसके बाद कनेक्शन भी दे दिए। पर पाइप से नलियां लगाकर इति श्री कर ली। साल भर बाद भी ठिया बनाकर नलियों में टोटियां नहीं लगाई। इससे पानी सप्लाई के समय काफी पानी व्यर्थ बह जाता है। अगर जल्द ही टोटियां नहीं लगाई, तो गर्मी के दिनों में जब पानी की कमी होगी। तब हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहेगा। विभाग के जिम्मेदारों को ठेकेदार से जल्द कार्य पूरा कराना चाहिए।

ज्ञात हो कि जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत ग्रामीणों से बिना पैसे लिए नल कनेक्शन देना है। जिसमें ग्रामीणों को सिर्फ आधार कार्ड की फोटो कॉपी देना थी। जो जानकारी अनुसार कार्य पूर्ण होने की स्थिति में देना थी। पर ठेकेदार के कर्मचारियों ने जिस दिन नल कनेक्शन दिया। नल कनेक्शन लेने वाले परिवार से उसी दिन पति-पत्नी की आधार कार्ड की फोटो कॉपी ले ली। नल कनेक्शन के लिए लगने वाली नली, नल की टोटी एवं सीमेंट कांक्रीट से दो से ढाई फीट उंचा ठिया बनाना, ठेकेदार के ही जिम्में है। पर यहां पी एच आई विभाग की उदासीनता एवं ठेकेदार की लापरवाही के चलते साल भर बाद भी कार्य पूर्ण नहीं हुआ। वहीं जानकारी अनुसार कुछ मोहल्ले में अब भी नल कनेक्शन देना बाकी है। मामले में ठेकेदार अभय सिंह भदोरिया से बात करना चाही, पर ठेकेदार का मोबाईल स्विच आफ आ रहा था। मामले में ग्राम पंचायत सरपंच कारू लाल भील ने बताया, यह ठेकेदार की लापरवाही है। अवगत भी कराया पर ध्यान नहीं दिया। अधिकारियों को भी अवगत कराएंगे। वहीं पेयजल के लिए ठेकेदार ने 24 घंटे लाइट के लिए डीपी लगाने का आश्वासन दिया था। 3 साल बाद भी 24 घंटे लाइट मिले, वह डीपी नहीं लगवाई। इस कारण वर्तमान में लो वोल्टेज की समस्या के कारण मोटर भी ज्यादा जल रही।

कलेक्टर ने किया 1400 करोड़ की गांधीसागर जलप्रदाय योजना के कार्यों का निरीक्षण

नीमच, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.शासन व्दारा जल निगम के माध्यम से नीमच, मंदसौर जिले के 915 गांवों में हर घर नल से जल प्रदाय के लिए 1400 करोड की गांधी सागर जल प्रदाय योजना का कार्य तेजी से किया कजा रहा है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने रविवार को रामपुरा तहसील के खिमला ब्लाक में गांधीसागर जल प्रदाय योजना के तहत किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो का मौके पर निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया।

इस गांधीसागर जलप्रदाय योजना समूह-2 के तहत अगस्त 2022 से विभिन्न निर्माण कार्य प्रारंभ हो गये है। निर्माण कार्य एजेन्सी मेसर्स दिलीप बिल्ड कॉन प्रा.ली. है। इस योजना का कार्य दिसम्बर 2024 तक पूर्ण कर लिया जावेगा। अब तक 50 ग्राम पंचायातों को जल निगम व्दारा नल से जल प्रदाय किया जा रहा है। जिले में एक लाख 70 हजार 617 घरेलु नल कनेक्शन प्रदान किये जाना है। इनसें अब तक 47 हजार 675 नल कनेक्शन कर दिए गए है। जल वितरण नलिकाएं एक हजार 575 मीमी में पाईपलाईन डाली जा चूकी है। कलेक्टर श्री जैन ने रविवार को गांधी सागर जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यो का मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान जल जीवन मिशन के महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र राणावत ने बताया कि इस योजना के तहत नीमच जिले के 646 गांवों में नल से शुद्ध जल प्रदाय किया जाकर, 1.97 लाख परिवारों को लाभांवित किया जावेगा। नीमच जिले में लगभग 415 किलोपाईप लाईन बिछाने का कार्य हो गया है। शेष कार्य तेजी से जारी है, योजना के तहत एक इंटेकवेल 168.72 एमएलडी क्षमता का निर्माणाधीन है। साथ ही बस्सीकला में 136 एमएलडी .क्षमता का वाटर ट्रीटमेंट प्लांयट भी 20 हेक्टेयर क्षेत्र में बन रहा है। बीस नग क्लीयर वाटर सम्पवेल एवं पम्प हाउस, 78 नग आर.सी सी ओव्ह र हेडटैंक निर्माण, 1620 किमी क्लीयर वाटर पाईपलाईन बिछाने का कार्य भी पूर्ण हो गया है। कलेक्टर ने उक्त कार्यो का निरीक्षण कर, प्रगति का जायजा लिया और निर्माण कार्यो की प्रगति पर संतोष जताया। फिल्टी हाउस का 75 प्रतिशत निर्माण कार्य, फ्लेश मिक्स्र निर्माण तीन नग, क्लोरोफिकेशन एवं बाउण्ड्रीवाल का 50 प्रतिशत से अधिक का निर्माण कार्य हो चुका है। शेष निर्माण कार्य भी तेजी से जारी है। इस मौके पर एसडीएम श्री पवन बारिया, सहायक संचालक श्री जगदीश मालवीय, तहसीलदार श्री मुकेश निगम तथा जल जीवन मिशन के महाप्रबंधक श्री जितेन्द्र राणावत, दिलीप बिल्डकॉन के महाप्रबंधक श्री मंगल सेन, प्रोजेक्ट मैनेजर श्री शेषदेव पत्रा, वरिष्ठ प्रबंधक श्री सुनील सिह तोमर एवं प्रबंधक श्री प्रवीण कुमार पाठक तथा अन्य अधिकारी व ईजीनियर्स उपस्थित थे।

कलेक्टर ने 13 हजार करोड के ग्रीनको पॉवर जनरेशन प्रोजेक्टह का निरीक्षण किया–नीमच जिले के गांधी सागर जलाशय से सटे खिमला ब्लॉक में लगभग 13 हजार करोड लागत से ग्रीनको पॉवर जनरेशन प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से जारी है। इस परियोजना के तहत गांधी सागर का जल एक बडे सम्पनवेल में स्टोरेज कर उससे बिजली उत्पादित की जावेगी। इस प्रोजेक्ट की विशेषता यह है, कि इसमें पानी का पुन:उपयोग हो सकेगा और बिजली उत्पादन से पानी व्यर्थ नहीं बहेगा। इस प्रोजेक्ट का कार्य मार्च 2025 तक पूरा कर बिजली का उत्पादन प्रारंभ हो जायेगा। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने रविवार को नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खिमला ब्लॉक में 13 हजार करोड रूपये की लागत के ग्रीनको प्रोजेक्ट के तहत चल रहे निर्माण कार्यो का मौके पर निरीक्षण कर जायजा लिया।

कलेक्टर ने प्रोजेक्ट इंजीनियर से प्रोजेक्ट के विभिन्न कार्यो की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण कार्य से संबंधी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कलेक्टर के निरीक्षण दौरान बताया गया कि गांधीसागर के किनारे पानी को रोकने के लिए एक डेम व सडक का निर्माण कार्य किया जा रहा है। साथ ही पानी के स्टो रेज के लिए ही एक बडे वाटर टैंक का निर्माण भी तेजी से जारी है। इस परियोजना में लगभग दो हजार लोंगो, इंजीनियर्स एवं अन्य स्टाफ की टीम कार्य कर रही है। कलेक्टर ने ग्रीनको प्रोजक्टो के कार्य की प्रगति पर संतोष जताया। इस मौके पर एसडीएम श्री पवन बारिया, सहायक संचालक श्री जगदीश मालवीय, तहसीलदार श्री मुकेश निगम तथा ग्रीनको पावर जरनेटर कंपनी के अधिकारी, इंजीनियर्स उपस्थित थे।

वीर बाल दिवस का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। पी.एम.श्री केंद्रीय विद्यालय मंदसौर में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें सिख इतिहास एवं गुरबानी के विद्वान् सरदार हरजीत सिंह एवं शबद गायिका गुरबानी कौर ने शबद कीर्तन का गायन किया एवं वीर बाल दिवस पर गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों के जीवन पर प्रकाश डाला और कहा गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों ने अदम्य साहस और वीरता के साथ देश धर्म की रक्षा के लिए शहीदिया प्राप्त की यह पुरे विश्व में एक मिसाल है इससे हमें देश भक्ति और धर्म की रक्षा की प्रेरणा मिलती है।

प्राचार्या श्रीमती निलांजनी प्रसाद ने कहा साहेबजादे के इतिहास से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए जिंदगी की कठिन परिस्थितियो से लड़ना चाहिए। वीर - बाल दिवस सप्ताह के अंतर्गत बच्चो को चार साहिबजादे पिक्चर दिखाई गयी। इस कार्यक्रम में प्रधानाध्यपक श्री ऋत्विक अग्रवाल ने बताया बच्चो द्वारा स्पीच ड्राइंग पेंटिंग, 4 थैंक यू कार्ड, प्रॉमिस कार्ड आदि गतिविधिया वर्चुअल प्लेटफार्म पर की जाएगीं कार्यक्रम का संचालन श्री रविंद्र सिंह मक्कड़ द्वारा किया गया और आभार श्री मेघराज मीणा ने माना।

डेढ़ वर्षीय बालिका का अपहरण कर भाग रहे थे बदमाश...

लोगों ने पीछा कर पकड़ा, तीन आरोपी गिरफ्तार

रतलाम, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को बाजना थाना अंतर्गत डेढ वार्षिक बालिका का अपहरण कर कार से भाग रहे तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को तीनों बदमाशों को कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस बदमाशों से अपहरण का कारण पता करने की कोशिश कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, संगीता पत्नी बालचंद दामा निवासी ग्राम हेवड़ादामा खुर्द शनिवार दोपहर करीब तीन बजे डेढ़ वर्षीय बेटी अर्पिता को लेकर घर से कुछ दूर स्थित हैंडपंप पर कपड़े धोने गई थी। तभी कार में आरोपित अर्जुन निवासी नामली, लोकेश जाट निवासी नामली एवं गौतम निवासी ग्राम कागलीखोरा थाना बाजना कार लेकर वहां पहुंचे। कार से उतरकर एक युवक हैंडपंप पर बोतल में पानी भरने लगा। कुछ देर बाद दूसरी बोतल संगीता को देकर कहा कि वह हैंडपंप चलाएगा, बोतल भर लेना। संगीता ने बोतल पकडी, तभी वह बच्ची के पास पहुंचा और उसे उठाकर कार में बैठा लिया। इसके बाद आरोपित कार तेजी से कार चलाकर भागने लगे। इस बीच संगीता का पति बालचंद व गांव का प्रकाश वहां पहुंचे। उन्होंने बाइक से कार का पीछा किया तथा बाजना व आसपास के लोगों और पुलिस को फोन से सूचना दी।

रास्ते में गढ़खंखाई माताजी के पास कुछ युवक सड़क पर आकर रोकने का प्रयास करने लगे। तभी चालक तेजी से कार चलाकर भाग निकला। इसी बीच रतनगढ़ पीठ स्थित स्कूल में पदस्थ शिक्षक मानसिंह देवड़ा अपने बोलेरो वाहन से रतलाम लौट रहे थे। उन्हें युवकों ने बताया कि कार में बच्ची का अपहरण कर ले जा रहे है। देवड़ा ने भी कुछ लोगों को कार में बैठाया और पीछा किया। उन्हें पीछा करता देख आरोपित थोडी दूर जाकर खेरियापाड़ा में रुके और बच्ची को वहां छोड़कर शिवगढ़ की तरफ भागे। शिवगढ में बाजना व शिवगढ़ पुलिस साथ ग्रामीणों ने घेराबंदी कर कार को रुकवाया। इसके बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में लिया और उन्हें शिवगढ़ थाने ले गए। बाद में तीनों को बाजना पुलिस को सौंप दिया गया। खबर फैलने पर स्वजन व बड़ी संख्या में ग्रामीण बाजना थाने पहुंचे। इसके बाद संगीता ने आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। एसपी राहुल लोढा ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें कोर्ट में पेश किया जा रहा है।आरोपियों से पूछताछ कर अपहरण का कारण पता करने की कोशिश की जा रही है।

सोलंकी की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन रतलाम मंडल के जावरा-मंदसौर ब्रांच सेक्रेटरी योगेंद्रसिंह सोलंकी (उझड) के पद से गत दिवस सेवानिवृत्ति हुए। शनिवार में मंदसौर रेलवे स्टेशन परिसर में यूनियन ने उनका विदाई/सम्मान समारोह का आयोजन कया। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने सोलंकी परिवार की सेवाओं का उल्लेख करते हुए मंदसौर-रतलाम जिले में राजनीति व समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी बताया।

सुबह 11.30 बजे स्टेशन परिसर में हुए समारोह में सर्वप्रथम सोलंकी का यूनयन पदाधकारियों द्वारा साफा, शाल श्रीफल एवं पुष्प मालाओं से स्वागत किया। श्रीमती सोलंकी का बुके देकर

स्वागत किया गया। उसके पश्चात कॉ.मनोहर बारठ मंडल मंत्री, कॉ.नरेंद्र सोलंकी मंडल अध्यक्ष एवं सहायक मंडल मंत्री हृदेश पांडे का साफा बांधकर एवं पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। श्री सोलंकी जी को मंदसौर शहर के पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर, श्री बंसीलाल जी गुर्जर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उपस्थित बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ता, यूनियन पदाधिकारी ने पुष्प माला से स्वागत किया। आयोजन में जावरा-मंदसौर ब्रांच सचिव पद के लिए श्री मिथिलेश मीणा श्री रणवीर सिंह शाखा अध्यक्ष सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रतलाम से अशोक तिवारी मंडल कार्यालय ब्रांच सचिव, पंकज पंवार सामान्य ब्रांच सचिव, राजन सिंह नागदा ब्रांच सचिव जावरा-मंदसौर ब्रांच के ऑफिस कर्मचारी एवं सक्रिय कार्यकर्ता श्री सुरेंद्र राव, संतोष सिराधना, आदित्य सिंह परिहार, श्याम सिँह चंद्रावत, घनश्याम मीणा, श्याम कदम, ईश्वर राठौर, विक्रम चौहान ने मनोनीत शाखा सचिव एवं अध्यक्ष का पुष्प मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में लगभग 200 कर्मचारी, पदाधिकारी, यूनियन के सक्रिय कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन शेखावत जी जिला इंटक अध्यक्ष एवं श्री सुरेंद्र राव द्वारा किया गया। समारोह में राजपूत समाज के पदाधिकारयों के साथ ही विभिन्न समाजों व गणमान्यजनों ने उपिस्थत रहकर श्री सोलंकी का स्वागत किया।

खुशी ग्वाला का राष्ट्रीय शालेय वालीबाल प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। 67 वी जुनियर राष्ट्रीय शालेय बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता दिनांक 26 दिसंबर से 30 दिसंबर 2023 तक तिरुचिरापल्ली तमिलनाडु में आयोजित की जाएगी, इस प्रतियोगिता के लिए मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन मंदसौर की खिलाड़ी कु. खुशी ग्वाला का 17 वर्ष की बालिका टीम में भाग लेकर, मध्य प्रदेश जुनियर बालिका वॉलीबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेगी, उनके चयन होने पर मंदसौर जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह चौहान एवं सदस्यगण विनय दुबेला, संदीप खाबियॉ, शेर मोहम्मद खान, सज्जन श्रीमाल, त्रिभुवन कवीश्वर, रोहित शर्मा, अनिल पाटीदार, रउफ खान, रितेश पोरवाल, अनिल पाटीदार, मिलिंद सांखला, रंजन छाबड़ा, राजेंद्र सिंह, अभिषेक सेठिया, अक्षय नलवाया, मोहित शर्मा, शैलेंद्र मसीही, अभिषेक यादव, पंकज मालवीय, चयन माली, आशीष रेठा, आस्था भावसार, विनय अग्रवाल, संयम चौहान, नमन शर्मा, दिव्यांशी गुप्ता, नेहा सालवी कविता मेघवाल, आकृति जैन, माधव जोशी, जानवी हाडा, साक्षी ग्वाला, और जिला खेल एवं युवक कल्याण विभाग मंदसौर के खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर श्री बंशीलाल बारीवाल, पीजी कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, पी.जी कॉलेज दलौदा के खेल अधिकारी अब्दुल रजाक, पूर्व क्रीड़ा अधिकारी मंदसौर अशोक शर्मा, उत्कृष्टविद्यालय मंदसौर के, वरिष्ठव्यायाम शिक्षक श्री महेंद्र शुक्ला, महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उ.मा.वि मंदसौर की वरिष्ठ व्यायाम शिक्षिका श्रीमती शांता व्यास शा. लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल उ. म. विद्यालय मंदसौर के व्यायाम शिक्षक श्री रघुवीर मालवीय व जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर ने बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की यह जानकारी जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव श्री त्रिभुवन कविश्वर व कोच अभिषेक सेठिया ने दी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा आज इन गांवों में भ्रमण करेंगी

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्पर यात्रा 25दिसंबर 2023 को यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम बनी, पानपुर, धंधोड़ा एवं दमदम, जनपद पंचायत मल्हारगढ़ में यात्रा अरनिया जटिया एवं डोबरा, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा देवरिया एवं डाबला मोहन, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा गोविंदखेड़ाएवं चौकीमें भ्रमण करेंगी।

राष्ट्र धर्म प्रहरी अलकंरण से युपी में सम्मानीत हुए मालवा स्वामी पं.श्रीकृष्ण वल्लभ शास्त्री

मंदसौर/सरसावा (सहारनपुर), 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। दिव्य शक्ति अखाड़ा द्वारा आयोजित 15 से 17 दिसम्बर 23 तक तीन दिवसीय वेद, प्राच्य विद्या, ज्योतिष, आयुर्वेद, तंत्र, मंत्र, व संत सम्मेलन का आयोजन श्री प्राणनाथ विद्या पीठ, सरसावा, सहारनपुर (उ.प्र.)में सम्पन्न हुआ। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पीठाधीश्वर, दक्षेश्वर महादेव मंदिर(कनखल, हरिद्वार) मुख्य संरक्षक दिव्य शक्ति अखाड़ा, अनन्त विभूषित महंत श्री रविन्द्र पूरी जी महाराज व बाबा निरंजन नाथ जीअवधूत मुख्य संरक्षक, दिव्य शक्ति अखाड़ा ट्रस्ट, मुख्य गुरु गोरखनाथ गुरुकुल के परम सानिध्य में, संत श्री कमल किशोर जी महाराज आचार्य महामंडलेश्वर, दिव्य शक्ति अखाड़ा ट्रस्ट (पंजी.)ने विशाल आयोजन संयोजित किया।तथा स्वामी राजन स्वामी जी महाराज मुख्य ट्रस्टी/संचालक श्री प्राणनाथ विद्या पीठ ट्रस्ट सरसावा ओर आचार्य अशोक जी महाराज ने विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया।भारतवर्ष के 85 नगरों के 200 से अधिक विद्वानों ने अपने पारंगत विषयों पर संभाषण करते हुए, विचारों का आदान प्रदान किया।यंहा भारतवर्ष की अखंडता के लिए, राष्ट्र धर्म एकत्व और मानवता की भावना से ओत-प्रोत, सनातन संस्कृति के प्रसार के लिए कटिबद्ध, सनातन के सिद्धांतों के प्रकाश को विश्व में आलोकित करने और भारतवर्ष को विश्वगुरु के रूप में देखने की लालसा संजोए-सकारात्मक ऊर्जा से निरन्तर कार्य करने पर दिव्य शक्ति अखाड़ा ट्रस्ट सहारनपुर ओर ज्ञानपीठ ट्रस्ट, सरसावा ने संयुक सन्मानष् राष्ट्र धर्म प्रहरीष् से आचार्य पं.श्रीकृष्ण वल्लभ

शास्त्री जी (मालवा स्वामी) जी महाराज, श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर परिसर, मन्दसौर (म.प्र.) को सम्मानित कर गौरवान्वित अनुभव किया तथा दीर्घायु, स्वस्थ, यशस्वी हो, धर्मक्षेत्र के लिए कार्य करने के लिए भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद सदा बना रहे, इन शुभकामनाओं ओर सद्भावना सहित, प्रमाण पत्र प्रदान किया।

कांग्रेस नेता विजेश मालेचा सहित 18 लोगों पर 6 महीने बाद बनाया पुलिस ने प्रकरण

मल्हारगढ़, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। 23 जून को सुथार बोलिया निवासी कैलाश मोदी नीमच मंडी से अपनी उपज बेचकर घर जा रहे थे रात्रि में कुछ लोगों ने किडनैप कर लूट कसौट कर उसकी हत्या कर कुँए में डाल दिया था। तीन-चार दिन ढूढ़ने के बाद लाश मिली थी। हत्या की घटना से आक्रोशित परिवार व ग्रामीण जनों ने लाश को रोड पर रखकर चक्का जाम कर दिया था। पीड़ित परिवार को न्याय मिले उनके समर्थन में कांग्रेस नेता विजेश मालेचा, संजीत ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ईश्वरलाल धाकड़, कांग्रेस नेता गुणवंत पाटीदार सहित क्षेत्र के कई कांग्रेस जन पहुंचे थे।सभी ने पीड़ित परिवार के न्याय के लिए शांति प्रिय आंदोलन किया था ताकि इस जघन्य अपराध में पुलिस प्रशासन सख्ती बरत कर आरोपियों को जल्द पड़े।और जिस परिवार में घटना हुई है इसमें परिवार का लालन पोषण करने वाला कोई नही बचा है। तो पीड़ित परिवार को शासन की ओर से सहायता मिले जिससे आगे परिवार का लालन पोषण हो सके।

घटना के 6 महीने बाद कांग्रेस नेता विजेश मालेचा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ईश्वरलाल धाकड़, कांग्रेस नेता गुणवंत पाटीदार, गोविंद सिंह राजपूत, शालिग्राम मालवीय, दशरथ बैरागी, किशोर दास बैरागी, आजाद शाह, रामगोपाल सूर्यवंशी, विजय नट, कमलेश तंबोली, बाबूलाल पाटीदार, संजय जोगचंद, राजाराम बागरी, धर्मेंद्र पाटीदार, कन्हैयालाल धनगर, नागूसिंह राजपूत, श्यामलाल पाटीदार सहित क़रीब 18 लोगों को नाहरगढ थाने से नोटिस भेज कर कार्रवाई की सूचना दी गई और सभी को 23 दिसंबर को पुलिस द्वारा नारायणगढ़ कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी को जमानत पर रिहा किया गया। कांग्रेस नेता विजेश मालेचा ने पुलिस प्रशासन और सरकार पर आरोप लगाया कि सभी कांग्रेसजन ने पीड़ित परिवार को न्याय मिले इसके लिए शांतिप्रिय आंदोलन किया था। और वहां पर मौके पर हजारों की संख्या में आसपास क्षेत्र के ग्रामीणजन भी सभी पीड़ित परिवार के समर्थन में आए और परिवार के न्याय के लिये मांग कर रहे थे। किंतु आज 6 महीने बाद भाजपा सरकार के नुमाइंदों व क्षेत्र के विधायक प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के इशारों पर पुलिस प्रशासन ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर केस बनाया गया। मालेचा ने कहा कि इस प्रकार से भाजपा सरकार हमारे ऊपर केस बनाकर हमें दबा नहीं सकती है हमारे ऊपर चाहे कितने भी कैसे बना दे हमें जेल में डाल दे फिर भी हम सभी कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में जब भी क्षेत्र की जनता पर अन्याय अत्याचार होगा तो हम उनके लिए मजबूती से लड़ेंगे। और उनके हर दुख दर्द में उनके साथ खड़े रहेंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने पर श्रीमती जैन सम्मानीत

मंदसौर, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रसंत श्री कमलमुनि कमलेश की प्रेरणा से संचालित जैन दिवाकर कमल गौशाला में रविवार को श्री जैन दिवाकर कमल गौसेवा समिति द्वारा गौसेवा कर गौवंश को हरे चारे एवं गुड का आहार करवाया गया। निरंतर गौसेवा के कार्य को आगे बढाने एवं विभिन्न सामाजिक कार्यो में अग्रणी भूमिका निभाने पर श्रीमती नेहा कमलेश जैन को अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप टीवीएस एक्सेल वाहन देकर उन्हें सम्मानित किया गया। श्रीमती जैन

को मुल्तानपुरा चैकी प्रभारी श्री प्रदीप कुमार ने विभिन्न समिति गौसेवा समिति सदस्यो की उपस्थिति में उन्हे वाहन की चाबी प्रदान कर निरंतर गौसेवा के प्रकल्प को आगे बढाने हेतु शुभकामनाये दी। इस अवसर पर जैन दिवाकर कमल गौशाला के अध्यक्ष श्री नीलम वीरवाल, पूर्व नपा सभापति श्री अरविंद कागला, श्री जैन दिवाकर कमल गोसेवा समिति के सदस्यगण श्री सुरेश भाटी, श्री लक्ष्मणदास मेघनानी, श्री संदीप सलोद, श्री दिलीप देवडा, श्री विश्वास दुबे, श्री दिनेश उपाध्याय, श्रीमती चित्रा उपाध्याय, श्री मीत जैन, सुश्री सोनिया जैन, श्री कनकमल जैन, श्री प्रभुलाल वीरवाल, श्री गणेश वीरवाल, श्रीमती रेखा वीरवाल, श्री किशोर राठौर, श्री प्रिंस वीरवाल, श्री गौरव वीरवाल सहित अनेक गौसेवा उपस्थित थे।

254 नेत्र रोगियों का हुआ नेत्र परीक्षण, 53 के होंगे ऑपरेशन

नाहरगढ़ में लायंस क्लब का नि:शुल्क नेत्र शिविर संपन्न

मंदसौर, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिले के नाहरगढ़ में रविवार को वरिष्ठ चिकित्सक डॉ बी एस भाटी के अस्पताल पर मंदसौर लायंस क्लब द्वारा आयोजित नि:शुल्क नेत्र शिविर में नाहरगढ़ और आसपास के गाँवो के सैकड़ो नेत्र रोगी लाभ लेने पहुंचे। शिविर में लायंस अध्यक्ष डॉ लायन मज़हर हुसैन व परफेक्ट आई हॉस्पिटल की टीम ने 254 नेत्र रोगियों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया। इनमे से 53 रोगियों का चयन नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु किया गया। साथ ही सिद्धि विनायक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ सुश्री डिम्पी बेलानी ने भी महिलाओ व प्रसूताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया। इस अवसर पर शिविर के सहआयोजक डॉ. भागवतसिंह भाटी ने कहा कि अंधत्व निवारण और बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में लायंस क्लब द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह सिलसिला निरंतर चले इसके लिए हम सबको को भी सहयोग करना होंगा। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्ष डॉ. मज़हर हुसैन ने डायबीटीज रोगियों पर पड़ने वाले रेटीना सम्बन्धी प्रभावो और निदान को लेकर चर्चा की। साथ ही मरणोपरांत नेत्रदान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर लायंस सदस्य लायन निर्विकार रातड़िया, सचिव लायन प्रेमदेव पाटीदार, लायन मयूर सुराणा व लायन उत्तम झांझरी आदि मौजूद थे। शिविर का सफल संचालन प्रोजेक्ट चेयरमैन व पूर्व सचिव लायन आशीष मंडलोई ने किया। आभार लायंस उपाध्यक्ष लायन जितेन्द्र पोरवाल ने माना।

बोर्ड परीक्षा के पहले होगी अभ्यास परीक्षा
डीपीआई से बनकर आएगें दो-दो सेट प्रशनपत्र

भोपाल, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। एमपी में फरवरी में होने वाली हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी परीक्षा के पहले अभ्यास परीक्षा कराई जाएगी। 8 से 13फरवरी के बीच होने वाली परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र डीपीआई से बनकर आएगें। इस दौरान स्कूलों का निरीक्षण जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। गौरतलब है कि दसवीं की परीक्षा 5 से 28 फरवरी व 12वीं की परीक्षा 5 फरवरी से 5 मार्च 2024 के बीच होगी।

सूत्रों के अनुसार बोर्ड परीक्षा के पहले शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों के लिए ये शेड्यूल छात्र-छात्राओं को फाइनल परीक्षा की रिहर्सल कराने के लिए प्री-बोर्ड की तर्ज पर प्रैक्टिस परीक्षा कराई जाएगी। इसके लिए 9 वीं से 12वीं के स्टूडेंटस के लिए लोक शिक्षण संचालनालय से बनकर आए प्रश्नपत्र स्कूलों को दिए जाएंगे। वहीं ऐसे विषय जिने के पेपर लोक शिक्षण संचालनालय से बनकर नहीं आएगें, उस विषयों के लिए स्कूलों में ही दो-दो सेट प्रश्नपत्र तैयार किए जाएगें। स्कूल के प्राचार्य को ही स्कूल में माध्यमिक शिक्षा मंडल की मार्किंग को ध्यान में रखते हुए प्रश्नपत्र के साथ प्रत्येक प्रश्न का उत्तर तैयार करना होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के अनुसार 8 से 13 जनवरी के बीच प्रतिदिन 9वीं से 12वीं के छात्र-छात्राओं को सैंपल पेपर के माध्यम फाइनल परीक्षा की रिहर्सल कराई जाएगी। शेड्यूल के अनुसार प्रत्येक विषय के पेपर से ही एक दिन पहले स्टूडेंटस को उस विषय के सैंपल पेपर दे दिए जाएंगे। उन्हें हल करने के लिए 1 दिन का समय दिया जाएगा। छात्र-छात्राएं घर में भी ये पेपर हल कर सकेगें। अगले दिन क्लास में विषय के टीचर स्टूडेंटस के साथ पेपर का डिस्कशन करेंगे और उनके डाउट दूर करेंगे। इसके लिए दो पीरियड को मिलाकर स्पेशल क्लास पेपर डिस्कशन क्लासेस लगाई जाएगी।इन परीक्षाओं के बाद 15 जनवरी से फरवरी में ही बोर्ड परीक्षा शुरु होने तक छात्र-छात्राओं की आंसर शीट का इवेल्यूएशन किया जाएगा। शिक्षक को प्रत्येक स्टूडेंटस के कमजोर प्वाइंट का परीक्षण कर उसे इम्प्रूव करना होगा। इस दौरान स्कूल में ही सभी क्लासेस रेगुलर टाइम टेबल के अनुसार ही संचालित होगी।

सी, डी व ई ग्रेड वाले छात्र-छात्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा- बताया गया है कि स्कूलों को फाइनल परीक्षा से पहले इन प्रेक्टिस एग्जाम में शामिल स्टूडेंटस का क्लास, विषय व स्टूडेंट वाइज रिकार्ड भी रखना होगा। इसके अलावा स्कूल के प्राचार्य को भी 9वीं से 12वीं तक के ऐसे छात्र-छात्रा का रिकार्ड भी अपने पास रखना होगा। जिनहोने किसी भी विषय में सी, डी व ई ग्रेड हासिल किया हो।

जिला शिक्षा अधिकारी करेगें निरीक्षण- एग्जाम की तैयारियों के लिए जिला शिक्षा अधिकारी के लिए लक्ष्य तय किया गया है। अभ्यास परीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी को जिले में दस स्कूलों का निरीक्षण करना होगा। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी अपनी रिपोर्ट भेजेगें।

प्रेमिका की शादी से नाराज होकर की थी हत्या, दो आरोपियों को आजीवन कारावास

जावरा, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय ने दुल्हन की हत्या करने वाले दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और पांच-पांच हजार

रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश उषा तिवारी ने शनिवार को सुनाया। अभियोजन पत्र के अनुसार 5 जुलाई 2020 को फरियादी रुचि यादव ने जावरा में पुलिस को सूचना दी कि उसकी बहन सोनू यादव की शादी गौरव जैन के यहां होना था, इसलिए सभी शाजापुर से जावरा आए थे और कोठारी रिसोर्ट में रुके थे। जहां उसका भाई सुधीर यादव सोनू यादव और उसे ब्यूटी पार्लर पर छोड़कर चला गया था। रुचि यादव ने बताया कि ब्यूटी पार्लर में एक लड़का अंदर आया और थोड़ी देर पार्लर में बैठा सोनू के गले पर तीन से चार वार करते हुए गला रेत दिया। फरियादी सोनू यादव को लेकर अस्पताल पहुंची। जहां डाक्टर ने उसे मत घोषित कर दिया।

आरोपित का सोनू से था प्रेम प्रसंग- पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने आरोपित पवन पांचाल को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने अपने साथी राम यादव के साथ सोनू यादव की हत्या की है। वहीं जब पुलिस ने यादव को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि सोनू और उसके बीच में प्रेम प्रसंग था। सोनू की शादी गौरव जैन के साथ होना थी। इससे नाराज होकर उसने सानू से फोन पर बात कर उसकी लोकेशन ली और उसकी हत्या कर दी।

कोर्ट ने सुनाई सजा- जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया। जहां कोर्ट ने सबूतों के के आधार पर आरोपित के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाते हुए दोषी राम यादव और पवन पांचाल को आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।

वाहन चैकिंग में हुआ संदेह... पेज 1 से जारी

मेघवाल उम्र 19 साल निवासी तम्बोलिया थाना सीतामऊ जिला मंदसोर और विकास पिता बापुलाल सूर्यवंशी उम्र 19 साल निवासी संजीत मगरा थाना नाहरगढ़ जिला मंदसौर का होना बताया। आरोपियों ने बताया जो बाइक उनके पास से बरामद की गई है, वह मंदसौर शहर से चुराई गई है। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वहां चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वाहन चोरी के मामलो की पतारसी की जा रही है।

✻ उठावना ✻

पिपलियामंडी।खात्याखेड़ी निवासी राधेश्याम सैनी दलाल तथा गौरीशंकर, ओमप्रकाश सैनी की माताजी तथा जगदीश, कमलेश, पिंटू की दादी श्री रामप्यारीबाई सैनी का निधन शुक्रवार 22/12/23 को हो गया था जिनका उठावना 25 दिसंबर सोमवार को दोपहर 1.30 बजे निवास स्थान खात्याखेड़ी पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
सैनी परिवार खात्याखेड़ी
पिपलियामंडी

स्व. कश्मीरीलाल अरोरा की स्मृति में मप्र राज्य सीनियर महिला पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता 4 से

नीमच, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। ख्यातनाम समाजसेवी स्वर्गीय कश्मीरीलाल गंगानगर स्मृति

सीनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 4 जनवरी से 9 जनवरी2024 तक नीमच में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में महिला पुरुष सिंगल्स डबल्स एवं मिक्स डबल्स के मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता अविनाश ग्रुप की प्रयोजकता एवं नीमच जिला बैडमिंटन एसोसिएशन एवं लायन डेन की आयोजकता में संपन्न होगी।

जिला बैडमिंटन एसोसिएशन अध्यक्ष अरुल अशोक अरोरा एवं सचिव दीपक श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि यह मध्य प्रदेश रैंकिंग प्रतियोगिता है, जिसमें करीब 200 से ऊपर खिलाडी भाग लेंगे। दिनांक 4 जनवरी से 6 जनवरी तक क्वालीफाइंग चक्र होंगे और 7 जनवरी से 9 जनवरी तक मैन ड्रॉ के मैचेस खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में इच्छुक खिलाड़ी मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की आईडी बनवाने के बाद ही प्रविष्टि ले पाएंगे। यह प्रतियोगिता मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के नियम के आधार पर संपन्न की जाएगी।इस प्रतियोगिता में योनेक्स अड2 फेदर कॉक का उपयोग किया जाएगा। प्रतियोगिता लायन डेन आई एम ए बैडमिंटन हॉल एवं टाउन हॉल पर संपन्न होगी।

राम मंदिर का पहला तल लगभग तैयार

नईदिल्ली, 24 दिसम्बर। राम भक्तों को 22 जनवरी 2024 का इंतजार है। इस दिन श्रीराम अपने भव्य मंदिर के गर्भगृह में विराजमान होंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या को सजाया जा रहा है। शहर के डिविजनल कमिश्नर गौरव दयाल ने कहा कि चाक कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। जिनमें तीन का काम पूरा हो गया है। रामपथ पर काम चल रहा है। निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए 30 दिसंबर की तारीख तय की गई है।

राम मंदिर का पहला तल बनकर तैयार- राम मंदिर अपने भव्य रूप में आकार ले रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र टेस्ट ने एक्स हैंडल से निर्माणाधीन राम मंदिर की कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में मंदिर की भव्यता दिखाई दे रही है। मंदिर का पहला तल बनकर तैयार है। मुख्य प्रवेश द्वार की सीढ़ियां बन चुकी हैं। बचा हुआ फिनिंग काम चल रहा है। लाइट और वायरिंग काम भी लगभग पूरा हो गया है।

22 जनवरी को होगा लोकार्पण- 22 जनवरी को राम मंदिर का लोकार्पण होगा। इस दिन मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा होगी। 26 जनवरी से भक्त गर्भ गृह में रामलला के दर्शन कर पाएंगे। इसे लेकर राम भक्तों में काफी उत्साह है। हर कोई इस एतिहासिक पल का साक्षी बनना चाहता है। हालात ये हैं कि शहर के घर होटलों में तब्दील हो गए हैं।

सीएम आदित्यनाथ ले रहे समय-समय पर जायजा- राम मंदिर ट्रस्ट के अधिकारियों और प्रशासन ने लोगों से टीवी के जरिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह देखने को कहा है। जिससे भीड़ अधिक न हो और व्यवस्था बनी रहे। कार्यों की तैयारियों की जायजा लेने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या पहुंच रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर को भव्य रूप से सजाया जाए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव- गांव में कर रही है भ्रमण

मंदसौर, 24 दिसम्बर गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव में भ्रमण कर रही है। यात्रा में पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरित किया जा रहा है। यात्रा मंदसौर जिले के सभी जनपद में भ्रमण कर रही है। यात्रा के दौरान विभागों के द्वारा विभाग की जानकारी एवं स्टाल लगाए गए हैं। जिसमें ग्रामीण जनों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम बालोदिया, भावगढ, सेमली एवं उदपुरा, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा सरवानिया एवं आक्या बिका, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा भामखेड़ी एवं उदल्याढखेड़ी, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा धुवाखेड़ी एवं केसोदा, जनपद पंचायत सीतामऊमें बाजखेड़ी, बैलारा, मोतीपुरा एवं करंदिया में भ्रमण किया।

महिला टेस्ट मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार हराया

मुंबई, 24 दिसम्बर। महिला क्रिकेट टेस्ट मैच में रविवार को भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर रिकॉर्ड बनाया है। 1977 के बाद से 11 प्रयासों में टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह भारत की महिलाओं की पहली जीत है। अंतिम दिन भारत ने ऑस्ट्रेलियाई वापसी को रोकने के लिए गेंद और बल्ले दोनों से शानदार खेल का प्रदर्शन किया। भारतीय गेंदबाजों ने सिर्फ 28 रन देकर आखिरी पांच विकेट ले लिए। इसके बाद भारत ने आसानी से 75 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ विकेट से जीत हासिल की।

स्मृति मंधाना (नाबाद 38) और जेमिमाह रोड्रिग्स (नाबाद 12) ने ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद एक-दूसरे को गले लगाया। इस घटना ने 2008 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की दबी हुई प्रतिक्रिया की यादें ताजा कर दीं। उस वक्त एमएस धोनी की टीम ने मेजबान टीम को हराने के बाद जोरदार जश्न मनाने से परहेज किया था। इस जीत के बाद वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद दर्शक खुशी से झूम उठे। लोगों ने स्टैंड में वंदे मातरम गीत गाए। इस घटना का वीडियो एक्स पर वायरल हो गया। लोगों ने भारतीय महिला क्रिकेट के इस ऐतिहासिक मैच को देखने के लिए भीड़ की सराहना की।

तीन किलो हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

जावरा-मंदसौर की सीबीएन टीम ने की कार्रवाई

मंदसौर, 24 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जावरा और मंदसौर की केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने जावरा-ताल रोड़ धाकड़ चिड़िया के आगे कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से तीन किलो हेरोईन जब्त की है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मुखबीर से जानकारी मिली। जिसमें पता चला कि एक ट्रक जिसका रजिस्ट्रेशन नं. पंजाब पासिंग है जिसमें भारी मात्रा में हेरोइन को मणिपुर से मध्य प्रदेश ले जा रहे है। इसे शिवपुरी से रतलाम के बीच एक व्यक्ति को सौंपने की तैयारी की जा रही है। सीबीएन जावरा और मंदसौर के अधिकारियों की टीमों का गठन किया गया। 22 और 23 दिसंबर की मध्यरात्रि मे संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी गई और सीबीएन अधिकारियों द्वारा वाहन की पहचान के बाद ट्रक को जावरा-ताल रोड, तहसील- जावरा, जिला-रतलाम की ओर धाकड़ चिडैया से आगे श्री गोपाल मधुशाला किराना एंड रेस्तरां के पास रोका गया। ट्रक में माल के रूप में बांस की छड़ें थी। लगातार पूछताछ करने पर ड्राइवर ने बताया कि ट्रक के डैशबोर्ड में हेरोइन छुपाई गई थी। चूंकि सुरक्षा कारणों से मौके पर ट्रक की तलाशी लेना संभव नहीं था, इसलिए इसे सीबीएन कार्यालय लाया गया। ट्रक की गहनता से तलाशी ली गई और कुल 3.065 किलोग्राम वजन के हेरोइन के 06 पैकेट बरामद किए गए। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, ट्रक और बांस की छड़ों के साथ बरामद हेरोइन को जब्त कर लिया गया है और एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में जांच जारी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in